ISBN: 978-93-89136-53-1
IMPRINT: BAHUVACHAN

BIOGRAPHY
₹750 HB

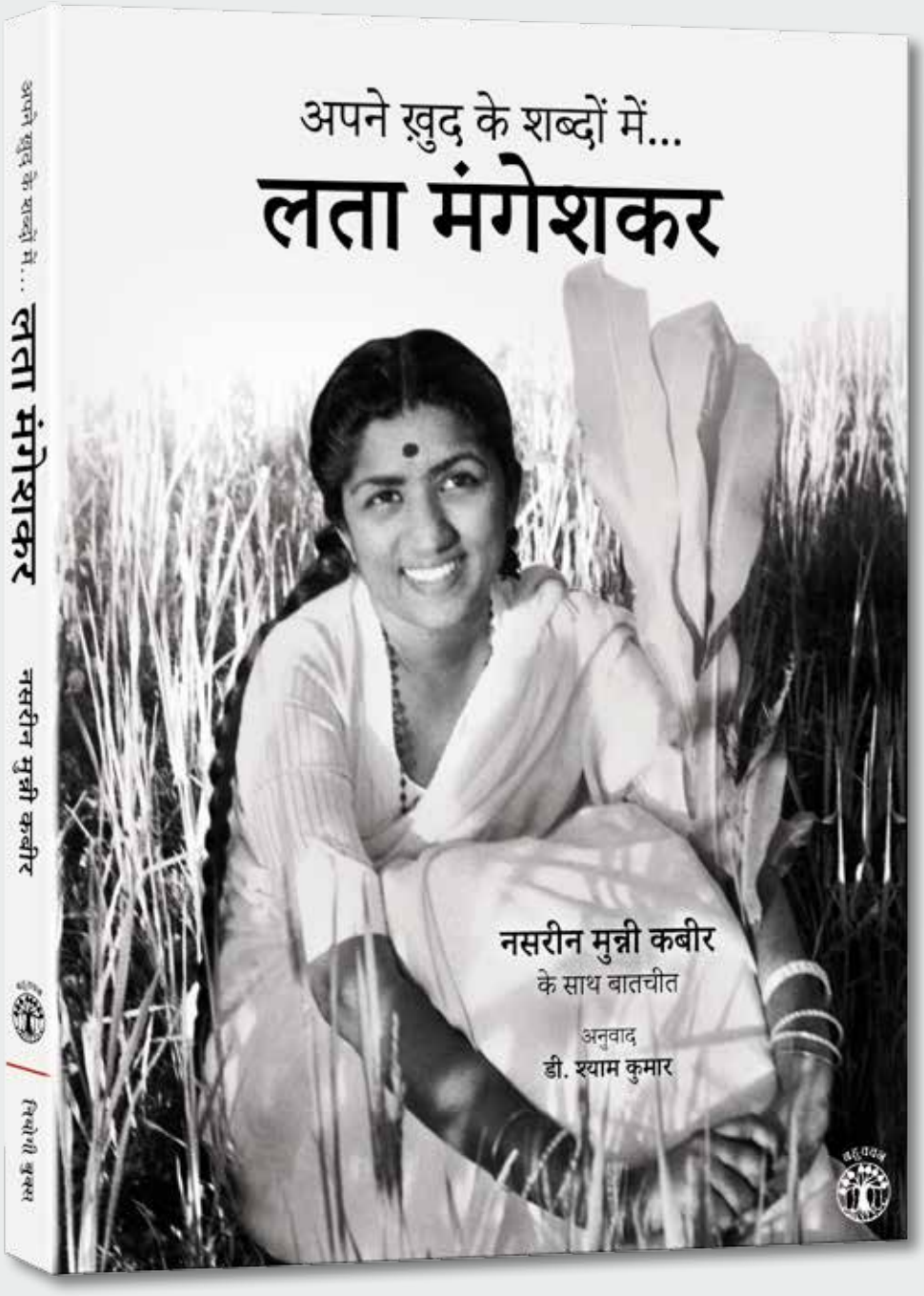


Published by
NIYOGI BOOKS
Fine publishing within reach

NIYOGI BOOKS PRIVATE LIMITED
Block D, Building No. 77, Okhla Industrial Area, Phase-1, New Delhi-110020, INDIA
Phone: 011 26816301, 26818960, Email: niyogibooks@gmail.com, Website: www.niyogibooksindia.com

KOLKATA OFFICE & BOOKSTORE
12/1A, 1st Floor, Bankim Chatterjee Street, Kolkata - 700073, West Bengal, INDIA
Ph: 033 22410001 • e-mail: niyogibooks.kol@gmail.com

BIOGRAPHY
₹750
ISBN: 978-93-89136-53-1
Size 236mm x 178mm; 228pp
130 gsm art paper (matt)
All colour; 133 photographs
Hardback with dust jacket

अपने ख़ुद के शब्दों में...

# लता मंगेशकर

**नसरीन मुन्नी कबीर**

अनुवाद
**डी. श्याम कुमार**

वर्ष 1949 में लता के द्वारा गाया गया गाना, 'आएगा आनेवाला' जिसे फ़िल्म महल के लि ए फ़िल्माया गया था, इस गाने ने लता की अद्भत गायन कला को एक विशेष परिचय दिया; और उन्हें लोगों ने अपनी कल्पनाओं में जगह दी। बारंबार याद किए जाने वाले इस शाश्वत गीत ने, अद्भुतु गायन शैली, वि शुद्ध आवाज़ और शब्दों पर पकड़ की खूबसूरती की वजह से श्रोताओं के बीच रातों-रात अपना जादू बिखेर दिया। तक़रीबन छह दशकों से, भारतीय फ़िल्म संगीत में, उनका एकछत्र राज रहा है; और 2001 में उन्हें, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, 'भारत रत्न' से अलंकृत किया गया।

लता मंगेशकर, दुनिया के किसी भी गायक से ज़्यादा गाने वाली गायिका के रूप में प्रसिद्धि के शीर्ष पर, विराजमान होने के बावजूद, एक नितांत निजी इनसान हैं, जिन्होंने तड़क-भड़क और चकाचौंध से हमेशा ही दूरी बनाए रखी है।

*अपने ख़ुद के शब्दों में...लता मंगेशकर*, लता मंगेशकर और नसरीन मुन्नी कबीर के बीच, दिलचस्प बातचीत की वृहद श्रखला है, जो भारत की सबसे ज़्यादा प्रति भासंपन्न गायि का के जीवन के तमाम पहलुओं से परिचय कराती है, जिनकी आवाज़ ने असंख्य लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई हुई है।

**भारतीय संगीत की महान हस्ती लता मंगेशकर पर पहली ऐसी अनोखी किताब, जो उनके द्वारा आधिकारिक तौर से स्वीकृत की गई है। इसमें उनके जीवन के हर पहलू को उन्हीं के शब्दों में बयाँ किया गया है।**

**बचपन से लेकर क़ाबिल मुकाम तक के सफ़र, से जुड़े क़रीब 150 दुर्लभ चित्र, जो अधिकतर 'लता मंगेशकर संग्रहकोश' से लिए गए हैं, पुस्तक को बहुत ख़ास बनाते हैं।**

**पुस्तक में खय्याम, नौशाद, गुलज़ार, जावेद अख़्तर, यश चोपड़ा, दीलिप कुमार व जया बच्चन आदि अनेक फ़िल्मी हस्तियों के विचार भी शामिल हैं, जो उनकी लता 'दीदी' के बारे में ख़ासतौर से दिए गए हैं।**

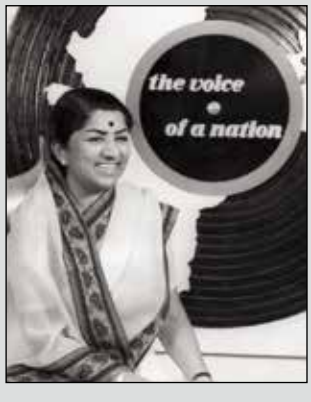

**नसरीन मुन्नी कबीर**, एक वृत्त- चित्र निर्माता और लेखिका हैं, उन्होंने चैनल 4 टीवी (यू.के .) के लि ए, विभिन्न वृत-चित्रों का निर्माण किया है, जिसमें, *फॉलो दैट स्टार* (अमिताभ बच्चन का पार्श्व चित्र 1989) में, '*मूवी महल और शाहरुख ख़ान की निजी और बाहरी ज़िंदगी*' (2005, चैनेल 4/रेड चि लीज) पर आधारित श्रंखला है।

उन्होंने हिंदी सिनेमा के विषय पर काफ़ी किताबें भी लिखी हैं, जिसमें, *गुरुदत्त-ए लाइफ इन सिनेमा, जावेद अख़्तर के साथ टॉकिग सिनेमा/टॉकिग सॉन्स, और द इम्मोर्टल डॉयलॉग ऑफ मुगल-ए-आज़म* हैं।

हैदराबाद, भारत में जन्मीं, नसरीन ने अपने जीवन का अधिकाँश समय, लंदन (यू.के.) में बिताया है, 1969 में उन्हें, भारतीय सिनेमा को यू.के. में बढ़ावा देने के लिए, पहले 'एशियन वुमंस अचीवमेंट अवॉर्ड'से सम्मानित किया गया, वे 6 वर्ष तक, 'ब्रिटिश फ़िल्म इंस्टीट्यूट' की पूर्व अध्यक्ष भी रही हैं। चैनल 4 के लिए, पिछले 25 वर्षों से परामर्शदाता के रूप में सेवाएँ दे रही हैं; और उनके , '20 पार्ट इंडियन फ़िल्म सीजन' की सहायिका हैं। वर्तमान में वे, *राज कपूर की आवारा*, पर एक किताब पर काम कर रही हैं।

**डी. श्याम कुमार**, पिछले 23 वर्षों से पत्रकारिता और लेखन के क्षेत्र में सक्रिय हैं । हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं की लेखनी में सिद्धहस्त हैं।

2012 में इन्हें, छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा अंग्रेज़ी पत्रकारिता के लिए, राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के द्वारा, 'मधुकर खेर' राज्य अलंकरण से सुशोभित किया गया। वर्ष 2018 में इन्हें राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर, बीबीसी में उत्कृष्ट रिपोर्टिंग के लिए, 'लाडली' राष्ट्रीय पुरस्कार के द्वारा, सम्मानित किया गया। वे सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरन्मेंट , नेशनल फाउंडेशन ऑफ इंडिया और लाडली मीडिया के फेलो भी रहे हैं।